CLASS : 12th (Sr. Secondary) **3666/3616**

Series : SS-M/2018

Total No. of Printed Pages : **8**

MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

PHILOSOPHY

ACADEMIC/OPEN

(Only for Fresh/Re-appear Candidates)

उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

General Instructions :

(i) Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.

(ii) Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.

(iii) Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.

(iv) Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.

(v) Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.

(vi) A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.

(vii) If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.

(viii) If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.

(ix) Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.

(x) Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.

(xi) Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not headed to, will bring a bad name to them and the Institution.

महत्त्वपूर्ण निर्देश :

(i) अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।

(ii) शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।

(iii) परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।

(iv) वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।

(v) भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।

(vi) मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/ Guidelines दी जा रही हैं, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।

खण्ड – अ

SECTION – A

(निबन्धात्मक प्रश्न)

(Essay Type Questions)

प्रश्न संख्या **1** से **5** तक निबन्धात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **4** अंक का है।

Question Nos. **1** to **5** are essay type questions. Each question carries **4** marks.

1. यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्यहार, धारणा, ध्यान, समाधि।

Good life, Self purification, Posture, Breath control, Withdrawal from senses, Conceptualization, Meditation.

अथवा

OR

सम्यक् दृष्टि, सम्यक् संकल्प, सम्यक् वाणी, सम्यक् कर्म, सम्यक् आजीविका, सम्यक् व्यायाम, सम्यक् स्मृति, सम्यक् समाधि।

Right faith, Right resolve, Right speech, Right action, Right living, Right effort, Right thought, Right concentration.

2. अनुमान की परिभाषा व्याप्ति का अर्थ जीवन में अनुमान का महत्त्व।

Definition of Inference, Meaning of Vyapti, Importance of Inference in life.

3. वैशेषिक दर्शन का परिचय कर्म का अर्थ एवं प्रकार–उत्क्षेपण, अवक्षेपण, आकुचंन, प्रसारण व गमन।

Introduction of Vaisheshika Philosophy, meaning & types of Karma-Upward, Downward, Shrinking, Expanding, & Automation movement.

4. कर्म का अर्थ, कर्म के प्रकार- सकाम कर्म व निष्काम कर्म।

Meaning of Karma, Types of Karma - Sakama Karma & Niskama Karma.

5. उपादान कारण, निमित्त कारण, आकारिक कारण, अन्तिम या लक्ष्य कारण।

Material cause, Efficient cause, Formal cause Final cause.

खण्ड – ब
SECTION – B
(लघूत्तरात्मक प्रश्न)
(Short Answer Type Questions)

प्रश्न संख्या **6** से **12** तक लघूत्तरात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **3** अंक का है।

Question Nos. **6** to **12** are short answer type questions. Each question carries **3** marks.

6. दुःख, दुःख समुदाय, दुःख निरोध, दुःख निरोध मार्ग।
Suffering, cause of Suffering, cessation of Suffering, path of liberation.

7. पूरक, कुम्भक, रेचक।
Inhaling, Retention, Exhaling.

8. चार-प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द।
Four-perception, Inference, Comparison, Testimony.

9. अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष, आनन्दमय कोष।
Physical layer, Biological layer, Mental layer, Intellectual layer, Blissful layer.

10. अनुभववाद का अर्थ, बाह्य ज्ञानेन्द्रियाँ अनुभव के स्रोत हैं।
Meaning of Empiricism, External sense organs are the source of empiricism.

11. शुभ साध्य हैं और उचित साधन है। साध्य और साधन में सापेक्ष सम्बन्ध है।
Good is an end and right is a mean. Relative relationship between end and mean.

12. चार प्रमाण - सत्ता सम्बन्धी प्रमाण, प्रयोजन सम्बन्धी प्रमाण, सृष्टि सम्बन्धी प्रमाण, नैतिक प्रमाण।

Four proofs : Ontological proof, Teleological proof, Cosmological proof, Moral proof.

खण्ड – स
SECTION – C
(अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)
(Very Short Answer Type Questions)

प्रश्न संख्या **13** से **23** तक अति लघूत्तरात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Question Nos. **13** to **23** are very short answer type questions. Each question carries **2** marks.

13. वेदों के अनुसार ऋत शब्द का प्रयोग सत्य के स्थान पर हुआ है।

According to Vedas, word of Rita used in the place of truth.

14. सम्यक् शब्द का अर्थ है - 'उचित'।

The meaning of 'Samyaka' is 'Right'.

15. ऋषभदेव

Rishavadeva.

16. धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष।

Dharma, Artha, Kama, Moksha.

17. नौं - पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश, दिक्, काल, आत्मा और मन।

Nine - Earth, Water, Air, Fire, Akasha, Space, Time, Soul & Mind.

18. महर्षि पतंजलि।

Maharshi Patanjali.

19. श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया।
Shree Krishna gives to Arjuna.

20. इन्द्रिय प्रत्यक्ष।
Sense perception.

21. 'उचित' नैतिक और सामाजिक शुभ है।
'Right' is moral & social good.

22. बर्कले
Berkeley.

23. दण्ड अपराध का पारितोषिक है।
Punishment is reward of crime.

खण्ड – द
SECTION – D

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)
(Objective Type Questions)

प्रश्न संख्या **24** से **40** तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **1** अंक का है।
Question Nos. **24** to **40** are objective type questions. Each question carries **1** mark.

24. सत्य
True

25. सत्य
True

26. असत्य
False

27. असत्य
False

28. असत्य
False

29. सत्य
True

30. सत्य
True

31. असत्य
False

32. असत्य
False

33. सत्य
True

34. सत्य
True

35. सत्य
True

36. सत्य
True

37. सत्य
True

38. असत्य
False

39. सत्य
True

40. सत्य
True